nt>

Title: Need to restore Bisalpur Dam in Rajasthan in its original form to ensure water supply to Bundi and Tonk districts for irrigation purposes.

श्री रामनारायण मीणा (कोटा) : महोदय, वर्ष १९४४-४५ से १९६३ तक चले सर्वेक्षण के मुताबिक राजस्थान की देवली, नैनवां, उनियारा तहसीलों के विभिन्न ग्रामों की कृषि भूमि को सिंचित करने के उद्देश्य से बीसलपुर बांध की नहरों का ग्राम टोकरावास, करवाड (टोंक) कोरमा, देई, खजूरी (बूंदी) होकर निर्माण किया जाए। टोकरावास एवं कोरमा के मध्य पथरीली भूमि की कटाई करके नहर निकालकर ३६० ग्रामों की कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध की जानी थी। जयपुर की पेयजल समस्या निराकरण के लिए चम्बल नदी का पानी प्रस्तावित इसरदा बांध में डालकर लिफ्ट के जरिए पहुंचाया जाना है। अब बीसलपुर परियोजना का स्वरूप बदलकर जयपुर को पेयजल पहुंचाने के लिए किए जा रहे प्रयास किसान विरोधी हैं तथा राष्ट्रीय हित में नहीं हैं। बांध के डूब क्षेत्र के निवासियों के लिए बनाई गई आवासीय कालोनियां आबादी क्षेत्र से दूर तथा पूर्णतः अविकसित एवं मानवीयता के खिलाफ हैं। क्षेत्र की आम जनता समय-समय पर आंदोलन करके अपना रोष भी प्रकट कर चुकी है।

अतः केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि बूंदी जिले की नैनवां तहसील के ५६ गांवों को वापिस परियोजना क्षेत्र में सम्मिलित किया जाए। बांध कैचमेंट क्षेत्र में एनीकट निर्माण बाबत जारी आदेश निरस्त किए जाएं जो ग्राम विभिन्न छोटे बांधों गलवा आदि से पूर्व से ही सिंचाई सुविधा ले रहे हैं उनको इस परियोजना से बाहर रखा जाए तथा जयपुर की पेयजल समस्या के स्थाई निराकरण के लिए चम्बल नदी से पेयजल योजना बनाई जाए।